Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किस राज्य में प्रमुख तेल क्षेत्र स्थित है?

(अ) तमिलनाडु (ब) राजस्थान

(स) असम (द) बिहार

2. निम्नलिखित में से कौन ऊर्जा संसाधन नहीं है?

(अ) पेट्रोलियम (ब) मैंगनीज

(स) कोयला (द) जल

3. भारत में थोरियम मुख्यतः किस तटीय क्षेत्र में मिलता है?

(अ) उड़ीसा (ब) तमिलनाडु

(स) आंध्र प्रदेश (द) केरल

4. निम्नलिखित में से कौन-सा खनिज, भूरा हीरा के नाम से जाना जाता है?

(अ) मैंगनीज (ब) लौह

(स) अभ्रक (द) लिगनाइट

5. झारखण्ड का कोडरमा क्षेत्र प्रसिद्ध है।

(अ) ताँबा के लिए (ब) अभ्रक के लिए

(स) मैंगनीज के लिए (द) बॉक्साइट के लिए

6. निम्न में से कौन-सा खनिज टर्शियरी निक्षेपों की लैटराइट चट्टानों से संबद्ध हैं?

(अ) ताँबा (ब) बॉक्साइट

(स) लोहा (द) कोयला

7. झरिया प्रसिद्ध है

(अ) जल-विद्युत के लिए (ब) पेट्रोलियम के लिए

(स) अणु शक्ति के लिए (द) कोयले के लिए

8. ओड़िशा निम्न में से किस खनिज के उत्पादन में अग्रणी राज्य हैं?

(अ) मैंगनीज (ब) बॉक्साइट

(स) लौह अयस्क (द) उपर्युक्त सभी

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. **खेतड़ी प्रसिद्ध है**

(अ) लोहे के लिए (ब) कोयले के लिए

(स) अभ्रक के लिए (द)) ताँबे के लिए

10. **हेमेटाइट प्रकार है**

(अ) लौह-अयस्क का (ब) ताँबे का

(स) बॉक्साइट का (द) कोयले का

रिक्त स्थान

11. थर्मल पावर प्लांट में ऊर्जा उत्पादन के लिए _____ का उपयोग किया जाता है।

12. सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए _____ और सोलर हीटर जैसे उपकरणों का प्रयोग किया जाता है।

सत्य/असत्य

13. कोयला का उपयोग केवल विद्युत उत्पादन के लिए किया जाता है।

14. जल विद्युत ऊर्जा को नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत माना जाता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. भारत के दो कोयला उत्पादक राज्यों के नाम लिखिए।

16. भारत के दो प्रमुख अभ्रक उत्पादक राज्यों का उल्लेख कीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. गैर-परंपरागत ऊर्जा के किन्हीं दो संसाधनों का महत्त्व बताएँ।

18. भारत में लौह-अयस्क के वितरण और उत्पादन का वर्णन कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. भारत में पाए जाने वाले दो प्रमुख लौह खनिज कौन-से हैं? प्रत्येक की चार-चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

20. भारत की प्रमुख खनिज पट्टीयों का वर्णन कीजिए।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

HOTS

21. भारत के मानचित्र पर प्रमुख नाभिकीय ऊर्जा परियोजनाओं को अंकित करके नाम लिखिए।

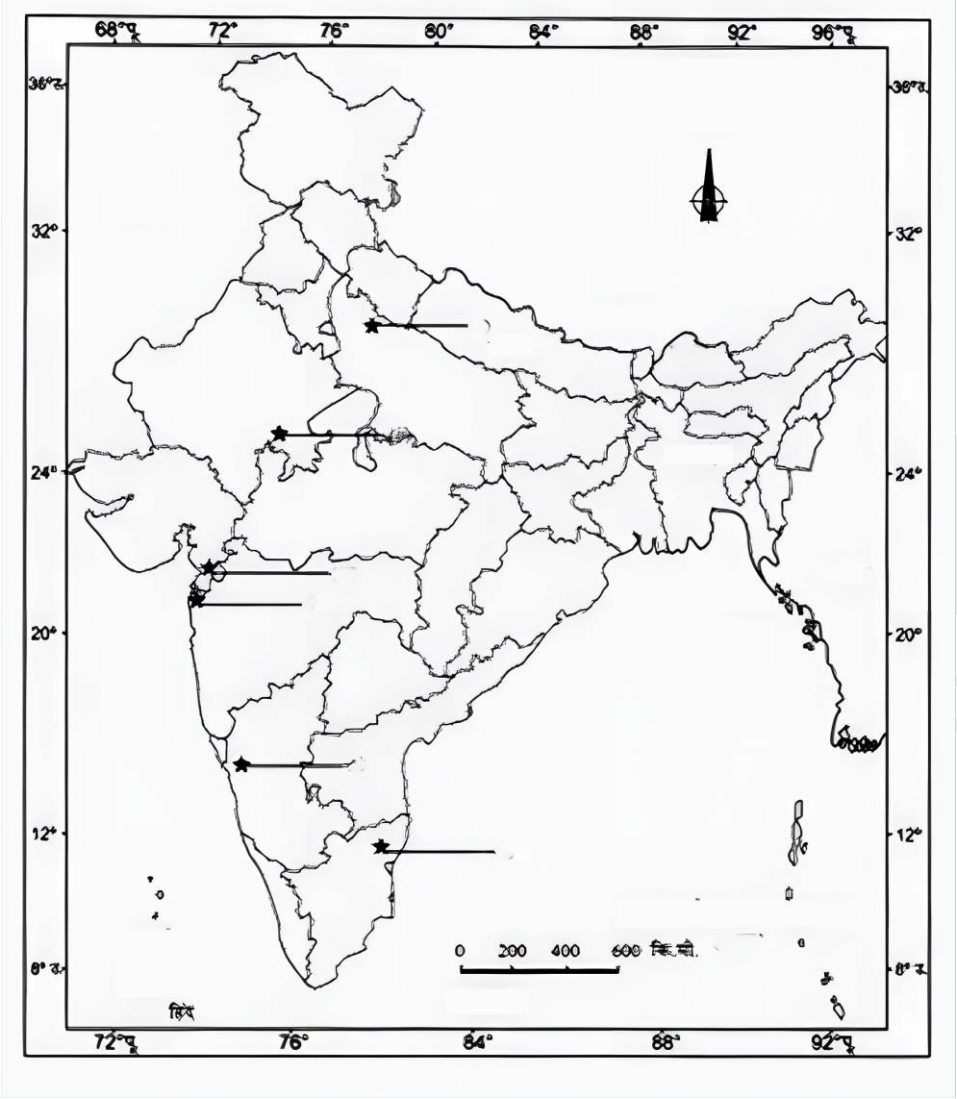

100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. **(स)** असम
2. **(ब)** मैंगनीज
3. **(द)**
   भारत में थोरियम मुख्यतः केरल के तटीय क्षेत्र की पुलिन बीच की बालू में मोनोजाइट और इल्मेनाइट से प्राप्त किया जाता है।
4. **(द)** लिगनाइट
5. **(ब)** अभ्रक के लिए
6. **(ब)**
   भारत में थोरियम मुख्यतः केरल के तटीय क्षेत्र की पुलिन बीच की बालू में मोनोजाइट और इल्मेनाइट से प्राप्त किया जाता है।
7. **(द)** कोयले के लिए
8. **(द)**
   खनिज संपदा में उड़ीसा का महत्वपूर्ण योगदान है। इसके अंतर्गत खनिजों की बड़ी किस्में शामिल हैं, जिनमें लौह अयस्क, क्रोमाइट, मैगनीशियम-अयस्क, बॉक्साइट, गैर कोकिंग कोयला, लाइमस्टोन, डोलोमाइट, निकेल-अयस्क, वनाडियम-अयस्क, तांबा-अयस्क, सीसा-अयस्क, फायरक्के, चीनी मिट्टी, ग्रेफाइट, क्वार्टर्ज लिमोनाइट सिलिमेनाइट जिरकॉन और टिन-अयस्क।
9. **(द)** ताँबे के लिए
10. **(अ)** लौह-अयस्क का
11. कोयला
12. सौर पैनल
13. असत्य
14. सत्य
15. भारत के दो प्रमुख कोयला उत्पादक राज्य निम्न हैं
    i. छत्तीसगढ़
    ii. झारखंड
16. भारत में अभ्रक उत्पादन की दृष्टि से झारखण्ड का प्रथम स्थान है, जबकि आंध प्रदेश दूसरे स्थान पर है।
17. गैर-परंपरागत ऊर्जा संसाधन के अंतर्गत नवीकरणीय या अक्षय ऊर्जा के स्रोत आते हैं, जो प्रकृति में पुनर्चक्रण की प्रक्रिया द्वारा नवीनीकृत होते रहते हैं।
    इनके अन्तर्गत आने वाले दो संसाधन निम्न हैं
    i. **सौर ऊर्जा** प्रकृति में परंपरागत स्रोतों का भण्डार सीमित होने के कारण मानव का झुकाव गैर-परंपरागत स्रोतों की ओर बढ़ा है, जिसमें सौर ऊर्जा का अपना महत्त्व है, इनका उपयोग बिजली के उत्पादन में किया जाता हैं, चूँकि सौर ऊर्जा का स्रोत सूर्य का प्रकाश है, जिसका प्रकृति में अस्तित्व एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में है। अत: इस ऊर्जा से भविष्य में अनेक सम्भावनाएँ जुड़ी हुई हैं, जिन्हें लेकर अनेक कार्य किए जा रहे हैं।
    ii. **पवन ऊर्जा** पवन ऊर्जा मूलत: वायु की गति पर आधारित एक अक्षय ऊर्जा का स्रोत है, जिनका उपयोग पानी चलाने, आटा पीसने तथा बिजली बनाने में किया जा सकता है। इस बात को ध्यान रखना जरूरी है कि पवन ऊर्जा का उपयोग उन्हीं क्षेत्रों में हो सकता है, जहाँ हवा तेज चलती हो।
18. अयस्कों को मारमागाओ पोर्ट से निर्यात किया जाता है। भारत में लौह-अयस्क किसी देश के आर्थिक विकास में लौह अयस्कों की उपलब्धता एवं उसके उत्पादन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। लौह-अयस्क मुख्य रूप से भूमि से निकले कच्चे लोहे होते हैं, जो अपने अन्दर अनेक प्रकार की अशुद्धियों को समाहित किए रहते हैं। इन अशुद्धियों को विभिन्न प्रकार की रासायनिक एवं भौतिक क्रिया के पश्चात् पिघलाकर कच्चे लोहे में बदला जाता हैं.

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

कच्चे लोहे में उचित मात्रा में मिश्र धातुओं को मिलाने के बाद इस्पात के रूप में तैयार किया जाता है। इसी इस्पात को आगे चलकर औद्योगिक उपयोग के लिए प्रयोग किया जाता है। लोहे का अपना औद्योगिक महत्त्व होने के कारण बहुमूल्य धातुओं की श्रेणी में रखा जाता है।

भारत में लौह अयस्क का वितरण :

ओडिशा व झारखण्ड : राज्य में लौह अयस्की का पर्याप्त उत्पादन होता है। यदि आँकड़ों पर ध्यान दिया जाए, तो ये दोनों राज्य मिलकर देश का 60% लौह-अयस्क उत्पन्न करते हैं, इसमें ओडिशा का भाग जहाँ लगभग 45% है, वहीं झारखण्ड का भाग लगभग 15% है। ओडिशा में लौह-अयस्क की महत्त्वपूर्ण खदानें क्रमशः मयूरभंज, क्योंझर, बोनाई व सम्भलपुर में अवस्थित हैं, जबकि झारखण्ड की प्रमुख खदानें सिंहभूम जिलों में हैं। यहाँ मैग्नेटाइट किस्म का अच्छा लोहा मिलता हैं।

गोवा : आधुनिक खोजों के आधार पर इस राज्य का महत्त्व लौह अयस्क के उत्पादन में हाल ही में बढ़ा है। यहाँ देश के कुल लोहा उत्पादन का 7% प्राप्त होता है। पिरनाअदोल, पाले-ओनड़ा व कुदनेम-सुरला यहाँ के प्रमुख लोहा क्षेत्र हैं। यहाँ का लोहा हेमेटाइट किस्म का होता है, जो मार्मागोवा बन्दरगाह से जापान को निर्यात कर दिया जाता है।

छत्तीसगढ़ : देश के लौह-अयस्क के उत्पादन का लगभग 20% भाग छत्तीसगढ़ की खदानों से निकाला जाता है। यहाँ का लौह अयस्क बिलासपुर, रायपुर, बस्तर व दुर्ग जिलों में पाया जाता है। भारत के अन्य क्षेत्र से देश के कुल लौह अयस्क के भण्डार का 13% प्राप्त किया जाता है, जिनमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिमी बंगाल व राजस्थान आदि राज्यों के क्षेत्र शामिल किए जाते हैं।

लौह-अयस्क का उत्पादन : प्रकृति द्वारा भारत को अनेक लौह अयस्क उत्पादक क्षेत्र प्रदान किए गए हैं। भारत भूमि के गर्भ से लगभग 136 मिलियन टन लौह-अयस्क उत्पादन होता है, जो कुल वैश्विक उत्पादन का 45% है। लौह-उत्पादन की दृष्टि से संसार के देशों में भारत का चौथा स्थान है। इन भण्डारों से निकले कच्चे लोहे का उपयोग न होने के कारण निकाले गए लोहे का एक बड़ा भाग विदेशों को निर्यात कर दिया जाता है। भारत द्वारा निर्यात किए गए लोहे के सबसे बड़े ग्राहक देशों में जापान, चेक गणतन्त्र व स्लोवाकिया जैसे देशों के नाम शामिल हैं।

देश के अन्दर औद्योगिक माँगों के बढ़ने के कारण लौह अयस्क के उत्पादन् पर असर पड़ा है, जिससे दिन-प्रतिदिन उत्पादन स्तर का ग्राफ बढ़ता जा रहा है।

यदि देश के अन्दर उपस्थित लौह अयस्कों का समुचित तरीके से उत्पादन किया जाए, तो भारत को औद्योगिक दृष्टिकोण से आत्मनिर्भर देशों की श्रेणी में लाया जा सकता है, जहाँ लौह अयस्क के भण्डार देश के लिए विदेशी मुद्रा के सृजन का काम करते हैं, वहीं देश को मजबूत औद्योगिक आधार प्रदान करने में भी इस खनिज की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

19. भारत में पाए जाने वाले दो प्रमुख लौह अयस्क हेमेटाइट और मैग्नेटाइट हैं। ये खनिज देश के इस्पात उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

i. **हेमेटाइट (Hematite):** हेमेटाइट भारत का सबसे प्रमुख लौह खनिज है और लौह अयस्क भंडार का लगभग 70% हिस्सा है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:
   - **लौह की मात्रा:** हेमेटाइट में 60% से 70% तक लौह की मात्रा होती है, जो इसे इस्पात निर्माण के लिए उपयुक्त बनाती है।
   - **रंग और रूप:** यह खनिज सामान्यतः लाल या भूरे रंग का होता है, जिससे इसे आसानी से पहचाना जा सकता है।
   - **उपयोग:** इसका मुख्य उपयोग इस्पात उत्पादन में होता है। इसे पिग आयरन और अन्य लौह मिश्र धातुओं के उत्पादन में भी इस्तेमाल किया जाता है।
   - **भारत में वितरण:** हेमेटाइट के प्रमुख भंडार झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और गोवा में पाए जाते हैं।

ii. **मैग्नेटाइट (Magnetite):** मैग्नेटाइट लौह खनिज का एक और प्रमुख स्रोत है, जिसमें लौह की उच्च मात्रा होती है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:
   - **लौह की मात्रा:** मैग्नेटाइट में लौह की मात्रा 72% से अधिक होती है, जो इसे इस्पात निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी बनाती है।

मिशन ज्ञान
जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

- **चुंबकीय गुण:** मैग्नेटाइट का नाम उसके चुंबकीय गुणों के कारण रखा गया है। यह प्राकृतिक रूप से चुंबकीय होता है, जो इसे अन्य खनिजों से अलग बनाता है।
- रंग और रूप: यह खनिज सामान्यत: काले या भूरे रंग का होता है, और इसकी चमकदार सतह होती है।
- **भारत में वितरण:** मैग्नेटाइट के प्रमुख भंडार कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में पाए जाते हैं।

दोनों खनिजों का इस्पात उद्योग में व्यापक उपयोग होता है और ये भारत की खनिज संपदा में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

20. भारत में में खनिज सम्पदा का विशाल भंडार है, जिससे उद्योगों को, विशेषकर लोहा-उद्योग को कच्चा माल मिलता है। भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार भारत में खनिज सम्पदा वाले 50 क्षेत्र हैं और उन क्षेत्रों में लगभग 400 स्थलों पर खनिज मिलते हैं। भारत में लौह अयस्क का बहुत विशाल भंडार है। भारत में खनिजों का सांद्रण मुख्यत: चार विस्तृत पट्टीयों में मिलता है जबकि कुछ एकाकी खंडों में भी इनके भंडार मिलते हैं, जैसे-

i. **उत्तर-पूर्वी पठारी प्रदेश-** इस पट्टी के अंतर्गत छोटानागपुर पठार का झारखंड, ओडिशा, प० बंगाल तथा छत्तीसगढ़ के कुछ भाग आते हैं। यहाँ विभिन्न प्रकार के खनिज उपलब्ध हैं; जैसे-लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज, बॉक्साइट व अभ्रक आदि।

ii. **दक्षिण-पश्चिमी पठार प्रदेश-** यह पट्टी कर्नाटक, गोवा तथा संस्पर्शी तमिलनाडु उच्च भूमि तथा केरल तक विस्तृत है। यह पट्टी लौह धातुओं तथा बॉक्साइट में समृद्ध है। यहाँ उच्च कोटि का लौह अयस्क, मैंगनीज तथा चूना पत्थर पाया जाता है। केरल में मोनाजाइट तथा थोरियम व बॉक्साइट के के निक्षेप हैं। गोवा में लौह अयस्क पाया जाता है। नेवेली लिगनाइट को छोड़कर इस क्षेत्र में कोयले के निक्षेपों का अभाव हैं।

iii. **उत्तर-पश्चिमी प्रदेश-** यह पट्टी राजस्थान में अरावली तथा गुजरात के कुछ भाग पर विस्तृत है। यहाँ के खनिज धारवाड़ क्रम की शैलों से संबद्ध हैं। ताँबा, जिंक, बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट, मार्बल, जिप्सम, मुल्तानी मिट्टी, लवण के अलावा डोलोमाइट व चूना पत्थर जो सीमेंट उद्योग के प्रमुख कच्चे माल हैं, यहाँ मिलते हैं। गुजरात में पेट्रोलियम के निक्षेप हैं।

iv. **हिमालयी पट्टी-** यहाँ ताँबा, सीसा, जस्ता, कोबाल्ट तथा रंगरत्न पाया जाता है। जबकि असम में पेट्रोलियम के निक्षेप हैं।

21. i. नरोरा (उत्तर प्रदेश)
ii. रावत भाटा (राजस्थान)
iii. काकरापाड़ा (गुजरात)
iv. तारापुर (महाराष्ट्र)
v. कैगा (कर्नाटक)
vi. कलपक्कम (तमिलनाडु)

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES